A-0394

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

MAJY-503

पंचांग एवं मुहूर्त्त–01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x19=38]

Q.1. पञ्चाङ्ग के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Q.2. पञ्चाङ्गनिर्माण की परम्परा पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

Q.3. तिथिसाधन के सैद्धान्तिक विधि का गणितीय उदाहरणपूर्वक वर्णन कीजिए।

Q.4. दृक्सिद्ध पञ्चाङ्ग की महत्ता पर शास्त्रीयप्रमाण पूर्वक चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

Q.5. पञ्चाङ्ग के इतिहास पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए पञ्चाङ्ग की उपादेयता पर विस्तृत आलेख लिखिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x8=32]

Q.1. वैदिककालीन पञ्चाङ्ग की अवधारणा पर विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

Q.2. वारगणना की सैद्धान्तिक उपपत्ति प्रस्तुत कीजिए।

Q.3. विष्कुम्भादि योग साधन पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

Q.4. करण कितने प्रकार के होते है? विस्तृत विचार प्रस्तुत कीजिए।

Q.5. तिथियों के स्वामी एवं उनके शुभाशुभत्व पर प्रकाश डालिए।

Q.6. सायन–निरयणपद्धतियों में क्या विशेषता है? विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

Q.7. कल्पित उदाहरणपूर्वक नक्षत्रसाधन की विधि प्रस्तुत कीजिए।

Q.8. वर्तमान समय में पञ्चाङ्ग की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

****